Title: Need to relax the norms of physical standards for youth from Uttarakhand for recruitment in Indian Army-Laid.

श्री के.सी. सिंह 'बाबा' (नैनीताल) : महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय रक्षा मंत्री महोदय का ध्यान उत्तराखंड के कुमाँऊनी, गौरखा एवं गढ़वाल के नवयुवकों को सेना में भर्ती के दौरान शारीरिक माप-तोल में दी जाने वाली छूट को भविष्य में जारी रखने की ओर आकर्षित करना चाहता हूं।

महोदय, उत्तराखण्ड के पहाड़ी नौजवानों को सेना में भर्ती के समय शारीरिक माप-तौल (लंबाई) में छूट दी जाती रही है। लेकिन मुझे ज्ञात हुआ है कि कुछ समय से दी जाने वाली इस छूट को समाप्त कर दिया गया है, जिस कारण हमारे यहां जनमानस में काफी रोष व्याप्त है।

महोदय, कुमाँऊ, गोरखा एवं गढ़वाल रेजीमैन्ट सर्वश्रेÂष्ठ रेजीमैन्टों में से हैं। इनका ऐतिहासिक महत्व भी है। इन रेजीमैन्टों ने अपनी बहादुरी से इतिहास रचा है। देश की रक्षा के क्षेत्र में कई तमगे प्राप्त किए हैं। आज भी ये रेजीमैंट देश की रक्षा का कार्य बड़ी बहादुरी से कर रहे है। महोदय, आपके माध्यम से मंत्री महोदय को अवगत कराना चाहता हूं कि अलग भौगोलिक स्थिति होने के कारण ही यहां के लोगों की कद-काठी मैदानी क्षेत्र के लोगों की अपेक्षा कम होती है, जिस कारण भारत सरकार ने कुमाँऊ, गोरखा एवं गढ़वाली नवयूवकों के लिए शरीरिक माप तोल में छूट देने का प्रावधान किया था। उत्तराखंड के नवयुवकों की वीरता, लगन, कर्मठता, ईमानदारी एवं देश सेवा की निÂष्ठा के कारण ही भारत सरकार ने कुमाँऊ रेजीमैन्ट, गोरखा रेजीमैन्ट और गढ़वाल रेजीमैन्ट का गठन किया था। आज भी उत्तराखण्ड के नवयुवकों का पहला सपना सेना में भर्ती होकर देश की सेवा है।

महोदय, आपके माध्यम से मेरा माननीय रक्षा मंत्री महोदय से आग्रह है कि उत्तराखण्ड के पहाड़ी रणबांकुरों को भर्ती के दौरान शारीरिक माप तौल में दी जाने वाल छूट को जारी रखा जाए जिससे यहां के नौजवान पूर्व की तरह देश की सेवा में अपनी भागीदारी का निर्वाहन कर सके तथा उनका देश सेवा का सपना साकार होता रहे।